प्रो. मदनमोहनझा:

केन्द्रीय-संस्कृत-विश्वविद्यालय:, श्रीरणवीरपरिसर:, कोट-भलवाल:, जम्मू:

ममतन्त्रांशा: My android app

01		**अमरकोश-** यह संस्कृत के कोशों में बेहद लोकप्रिय है। इसमें सभी शब्दों का पर्याय पद, लिंग, अर्थ आदि को दर्शाया गया है। साथ ही, उपयोगकर्ता की सहूलियत के लिए शब्दकल्पद्रुम, वाचस्पत्यम्, विलियम मोनियर, आप्टे अंग्रजी शब्दकोश, शब्दसागर, पुराणकोश आदि भी दिया गया है। लिंक- https://play.google.com/store/apps/details...
02		**संस्कृत चित्रबोध-**अद्भुत् एप है बच्चों केलिये। हर वर्ग के व्यावहारिक संस्कृत शब्दों का तथा चित्रों का संकलन है। दो प्रकार से क्रीडा में व्यवस्थित किया गया है। बच्चे शब्द से चित्र चयन करें या चित्र से शब्द का चयन। अपने बच्चों के मोबाइल में अवश्य डाउनलोड करें। संस्कृत सप्ताह के अवसर पर अपने मित्रों उनके बच्चों को एक उपहार अवश्य दें।
03		**संस्कृतवर्णमाला-** भारतीय नई शिक्षा नीति 20 में संस्कृत भाषा को सुदृढ बनाने के लिए फाउण्डेशनल संस्कृत का प्रचार प्रसार आवश्यक है। बच्चे संस्कृत से प्रायः घबराते हैं, कारण कई हैं। इसमें संस्कृत वर्णमाला का ज्ञान न होना भी महत्त्वपूर्ण कारण है। इसीलिए इस एप का निर्माण किया गया है। इस एप में प्रायः सभी वर्णों तथा वर्णों से बनने वाले प्रत्येक का 6 शब्द अर्थसहित दिये गए हैं। एप खोलते ही सारे वर्ण आते हैं। जिस किसी वर्ण को टच करिए तो 6 चित्र प्रकट होता है। पुनः जिस चित्र को टच करिए उसका संस्कृतशब्द हिन्दी अर्थ सहित प्रकट होता है साथ ही ध्वनि भी। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.sanskritalphabets**
04		**धातुबोध-** इस मनोवैज्ञानिक युग में शब्दों का अर्थ व रूप, धातुओं के अर्थ तथा रूप रटाना उचित प्रतीत नहीं होता है। और क्रिया पद के ज्ञान तथा उनके रूपों के ज्ञान के विना संस्कृत भाषा का ज्ञान असम्भव है। अतः क्वीज के माध्यम से क्रियाओं का ज्ञान कराने वाले इस एप का निर्माण मेरे द्वारा किया गया है। इस में एप में प्रमुख तथा व्याहारिक 600 धातुओं का 12 अध्यायों में संकलन किया गया है।इस में क्रिया का एक रूप प्रदर्शित होता है जबकि उसके चार ऑप्सन आता है। अब रूप के अनुसार धातु का चयन करें। उत्तर सही होने पर उसका हिन्दी अर्थ भी प्रदर्शित होता है साथ ही अगर उस धातु के सम्पूर्ण रूप देखना चाहे तो ऑप्सन आ जाता है रूप देखें। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.sanskritdhatubodh**
05		**धातुरूपमाला-** इस एप में पाणिनीय धातु पाठ में मौजूद प्राय: दो हजार धातुओं के अर्थ, गण, सेडनिट्, परस्मैपदम्, आत्मनेपदम्, उभयपदम्, दशों लकारों में कर्तृ-कर्म-भाववाच्य में धातु रूप, क्षीरतरंगिनी, माधवीया, धातुवृत्ति तथा धातु प्रदीप के विशिष्ट संदर्भ निहित हैं। इन्हें बिना याद किए ही खेल-खेल में जाना जा सकता है। यह एप ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनो ही मोड में उपलब्ध है। लिंक -**https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.dhatuvrttis**
06		**शैक्षिकाभिवृत्तिपरीक्षण-** शैक्षिकाभिवृत्तिपरीक्षणम्, नामक यह एंड्रॉयड ऐप शिक्षाशास्त्र तथा मनोविज्ञान विषयक शैक्षिक अभिवृत्ति विषय लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे स्नातक और परास्नातक की विषयवस्तु पर केंद्रित है। शैक्षिकाभिवृत्ति विषय के विविध प्रश्नपत्रों को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण किया गया है शिक्षा शिक्षण तथा मनोविज्ञान से सन्दर्भित प्रश्नावलियों का संकलन यहाँ किया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे NET, SLET, JRF, CPSST, CPSAT, CSVVT आदि) के अनुकूल वस्तुनिष्ठता पर आधारित प्रश्नपत्रों का प्रारूप इस ऐप की मुख्य विशेषता है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.edutest**
07		**संस्कृतचित्रकोश-** इस एप में विभिन्नप्रकार के व्यावहारिक शब्दों का संग्रह कर के उनका चित्र संकलित कर के इस कोश का निर्माण किया गया है। यह मात्र एक दिशा है। इसमे हिन्दी शब्द लिए गए हैं उनके हिन्दी अर्थ प्रयोगादि। फिर संस्कृत अर्थ तथा उन संस्कृत शब्दों का कोश आदि भी संकलित करने का प्रयास किया गया है। साथ ही चित्र भी दिया गया है। आशा है यह प्रयास संस्कृत सीखने वालों के लिए सार्थक सिद्ध होगा। यह बच्चों तथा विद्यालयीय छात्रों के लिए सरलतम संस्कृत विजुअल डिक्शनरी। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.visualhindidictionary**

08		**हिन्दी-संस्कृत (सम्भाषण) डिक्सनरी-** वस्तुतः संस्कृत सम्भाषण में प्रयुक्त सभी व्यावहारिक शब्दों का वर्गीकृत संकलन इस शब्दको में उपलब्ध है। इस एप के बारे में मैं कुछ नहीं कहुँगा। आप खुद डॉनलोड कर के देखें तथा बताएं कि क्या नही है इसमें। किसी भी संस्कृत के छात्र से अध्यापक तथा विद्वानों तक केलिए उपयोगी। कहने का मतलव आवश्यकता के अनुरूप सव है इसमें। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.sambhashan**
09		**हिन्दी संस्कृत शब्दकोश-** संस्कृत के अमरकोश, मेदिनीकोश, हलायुध कोश आदि कोश ग्रन्थों में विषयानुसार प्रातिपदिकों के पर्याय तथा उसके लिंग निर्देश मिलते हैं, जबकि धातुओं (क्रियाओं) के लिए माधवीया धातुवृत्ति, आख्यातचन्द्रिका, उपसर्गरहस्यम् जैसी पुस्तकें उपलब्ध है। अभी तक वाक्य निर्माण के लिए आवश्यक दोनों प्रकार की शब्दावली से युक्त ई-कोश का अभाव था। हिन्दी भाषियों के उपयोगार्थ मैंने अपने इस कोश में हिन्दी भाषा में प्रचलन में आये अंग्रेजी, उर्दू, फारसी तथा देशज शब्दों तथा क्रियाओं के संस्कृत शब्दों का संकलन एवं सम्पादन किया है। यह हिन्दी शब्दों का संस्कृत शब्द बताने वाला हिन्दी संस्कृत शब्दकोश है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.sanskritdict**
10		**हिन्दीसंस्कृत डिक्शनरी-** "हिंदी-संस्कृत शब्दकोश" ऐप द्वारा सुधीजन एक क्लिक में अपने समक्ष हिंदी शब्द का अर्थ संस्कृत में जान सकेंगे। उक्त एप वर्णानुक्रम की परिपाटी से युक्त होने के साथ साथ सुविधाजनक एवं सुधीजनों हेतु उपयोगी सिद्ध होगा। इस कार्य में सदा प्रेरित करने वाले गुरुतुल्य आचार्य मदनमोहन झा जी का सदा आभारी हूँ जिनके सत्प्रेरणा से ही आज इस तरप के कार्य को कर पाया। डॉ. मुकेश। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.hindisanskritdict**
11		**हिन्दी शब्दकोश-** अपने पूरे स्वरूप मे। लगभग एकलाख सत्तर हजार शब्दों के साथ। कई लोगों कि शिकायत है कि लोडिंग मे समय लगता है। वस्तुतः डाटा इतना अधिक है कि क्या किया जा सकता है। अगर दो भाग मे कर दूं तो हो सकता है पर एक ही काम केलिए दो एप रखने होंगे। यह एप दुनियां का सर्वसमर्थ सबसे बडा हिन्दी डिक्शनरी है जिसमें देशज, उर्दू, फरसी तथा बोल-चाल के सभी शब्दों को संकलित किया गया है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shruti.hindishabdkosh**
12		**संस्कृत स्वयं शिक्षक Learn Sanskrit-** बाल मनोविज्ञान के विकास ने यह सिद्ध कर दिया है कि शिक्षा केंद्र न तो विषय है न अध्यापक वरन् छात्र है तब से शिक्षण में सक्रियता को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। करके सीखना अर्थात् स्वानुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करना आजकल का सर्वाधिक व्यापक शिक्षणसिद्धांत है। अत: रूसों से लेकर मांटेसरी और ड्यूबी तक शिक्षाशास्त्रियों ने बच्चों की ज्ञानेंद्रियों को अधिक कार्यशील बनाने तथा उनके द्वारा शिक्षा देने पर अधिक बल दिया है।परन्तु संस्कृत में अभी भी इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है जो संस्कृत की लोकप्रियता में प्रचार प्रसार में बाधक प्रतीत होता है। इसी अवधारणा के आधार पर हमने इस एप का निर्माण किया है। आशा है कि यह एप संस्कृत सीखने में सहयोगी सिद्ध होगा। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.learnsanskrit**
13		**संस्कृत चित्रबोध Sanskrit Chitrabodh-** क्वीज के माध्यम से शब्दों का ज्ञान कराने वाला अद्भुत् सचित्र शब्दकोश है। प्रस्तुत कोश एक प्रयोग है। विभिन्नप्रकार के व्यावहारिक शब्दों का संग्रह कर के उनका चित्र संकलित कर के इस कोश का निर्माण किया जा रहा है। यह मात्र एक दिशा है। इससे बच्चों को खेल खेल के माध्यम से शब्दज्ञान हो जाता है। शिक्षा में क्रीडा विधि का प्रयोग बालकों के लिए उत्तम माना गया है। अतः इस एप में भी दो ऑप्सन आएगा शब्दज्ञान या चित्र ज्ञान। विकल्प चयन करने पर शब्द आएगा अथवा चित्र तदनुसार शब्द या चित्र का चयन करें। उत्तर सही होने पर उसका हिन्दी अर्थ भी प्रदर्शित हो जाएगा। आशा है यह प्रयास संस्कृत सीखने वालों के लिए सार्थक सिद्ध होगा। **लिंक- https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.chitrakoash**
14		**शब्दरूपमाला-** इसमें अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त, ईकारान्त, उकारान्त, ऊकारान्त, एकारान्त, ओकारान्त, ऋकारान्त, ऐकारान्त, औकारान्त, ककारान्त, तकारान्त, नकारान्त, जकारान्त, दकारान्त, मकारान्त, हकारान्त, सकारान्त, षकारान्त, शकारान्त, रकारान्त, पकारान्त आदि सभी प्रकार के शब्दों तथा सर्वनाम आदि शब्दों का तीनों वचनों, लिंगों तथा सातों विभक्तियों में रूप उपलब्ध हैं। इसमें प्रायः अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ ॄ, ऌ, ए, ऐ, ओ, औ, क, त, च, ज, ल, ह, कारान्तादि विभिन्न प्रकृति वाले सभी 748 शब्दों का रूप सभी लिङ्गों में सहज रूप में उपलब्ध है। इसको अकारादि क्रम से या अकारान्त क्रम से सर्च कर सकते हैं। यह यूजरफ्रेण्डली एप है। इस प्रकार का एप वर्तमान में संस्कृत जगत में उपलब्ध नही है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.shabdroopmala**

15		**Sanskrit Test | संस्कृतभाषादक्षता-** किसी भी परीक्षा हेतु संस्कृत भाषा दक्षता परीक्षण हेतु उपयोगी जी हां। NET, TET,CTET,CVVT,CPSST, CPSAT या अन्य कोई भी परीक्षा हो। स्वयं का परीक्षण इस एप से करें। निश्चित समय में 50 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्नों की संख्या 1000 है। सही या गलत उत्तर बताएगा यह एप। साथ ही आपका स्कोर, पूर्व परीक्षण का स्कोर तथा सबसे अच्छा स्कोर भी बताएगा। अब सांगोपांग अध्ययन के पश्चात प्रतिभागी संशय उन्मूलन हेतु अनेकशः अभ्यास के द्वारा अपने ज्ञान का परीक्षण कर सकता है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.sanskritquiz**
16		**Ashtadhyayi Chandrika | Sanskrit अष्टाध्यायी चन्द्रिका-** कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर व्याकरण विभाग के आचार्य सुरेश्वर झा जी जो मेरे परमादरणीय गुरुदेव है ने सम्पूर्ण अष्टाध्यायी के सूत्रों के सरल बोधगम्य वृत्ति लिखे हैं। इसमे सभी सूत्रों के उदाहरण तथा जिन पदों कि अनुवृत्ति जिन सूत्रों मे जाती है उसका भी निर्देश किए है। साथ ही क्रमबद्ध रूप से गणपाठ का भी उल्लेख किए हैं। शीघ्र ही हिन्दी अनुवाद भी प्रस्तुत होने की सम्भावना है। प्रस्तुत ग्रन्थ का एण्ड्रायड एप बना कर उन्हीं को समर्पित करता हूं। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.ashtadhyayichandrika**
17		**EDU-NET एडुनेट-** इस एप में नेट (लेक्चरर तथा जूनियर रिसर्च फेलोशिप) के लिए आठ प्रश्नों के सेट दिए गए हैं। विद्यार्थी इसका अभ्यास कर सकते हैं। इसके लिए पहले अपना नाम लिखना पड़ता है, तब इसका उपयोग कर सकते हैं। इसमें सही-गलत जवाब के साथ प्राप्तांक भी तुरंत पता चल जाता है। इतना ही नहीं, यह ये भी बताता है कि सर्वाधिक प्राप्तांक कितना है और पूर्व परीक्षण में प्राप्तांक कितना है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.quizapp**
18	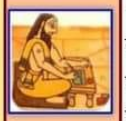	**Panini Ashtadhyayi पाणिनि अष्टाध्यायी-** इसमें अष्टाध्यायी सूत्र क्रम से अध्याय, पाद एवं सूत्र संख्या के जरिये अध्ययन कर सकते हैं। इसमें सूत्र, प्रथमावृत्ति (पदच्छेद, समास, सूत्रार्थ, उदाहरण आदि) देख सकते हैं तथा लघु सिद्धांत कौमुदी, बालमनोरमा, प्रौढ़ मनोरमा, काशिकावृत्ति, न्यास, महाभाष्य आदि सभी प्रमुख टीकाएं तथा तत्वबोधिनी भी देख सकते हैं। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.paniniashtadhyayi**
19		**Siddhanta Kaumudi वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (मूलपाठ)-** सर्वार्थसाधिका ALL IN ONE जी हाँ। देखने में मात्र मूलपाठ। जिससे छात्र कक्षा में पढ सकते हैं अध्यापक पढा सकते हैं , पर सूत्रसंख्या को क्लिक करते ही सम्पूर्ण व्याकरणशास्त्र आपके हाथों में उपस्थित होगा। अर्थात् क्लिक करते ही उस सूत्र के समास, अर्थ, व्याख्या, बालमनोरमा, प्रौढमनोरमा, तत्त्वबोधिनी, काशिका, न्यास, प्रथमावृत्ति, महाभाष्य आदि सभी आपके मोबाइल पर उपस्थित होगा, वो भी विना नेट चलाए। अर्थात् सम्पूर्ण व्याकरणशास्त्र एक क्लिक पर आपके हाथों में। एकबार अवश्य प्रयोग कर के देखें। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.siddhantkaumudibook**
20		**Shastralochanam | संस्कृतशास्त्रलोचनम् -** संस्कृतं भारतम् समूह पर जितने भी संस्कृत के विशिष्ट व्याख्यान हुए हैं उनका एप। जिसमें जब मन हो जिस विद्वान का जिस विषय का व्याख्यान सुन सकते हैं। इस एप में विद्वानों के नाम से अथवा उनके द्वारा प्रदत्त व्याख्यान के शीर्षक से व्याख्यान का अन्वेषण कर सकते है। व्याख्यान के अन्वेषणोपरान्त व्याख्याता के चित्र पर क्लिक करने से वह व्याख्यान देख सकते है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.shastralochanam**
21		**Shashatrashikshanam शास्त्रशिक्षणम्** सर्वप्रथम संस्कृतं भारतम् फेसबुक समूह पर लाइव व्याख्यान 20/11/2017 को आरम्भ किया गया था। बहुत सारे शास्त्रीयग्रन्थों का पङ्क्तिशः व्याख्यान देश के प्रसिद्ध विद्वानों से कराए गए। उन व्याख्यानों तथा कक्षाओं का वीडिओ संस्कृतं भारतम् यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। संस्कृत के रत्नावली, मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, शुकनासोपदेशः, सिद्धान्तशिरोमणिः, वाक्यपदीयम्, मनोरमा, वेदान्तपरिभाषा, ध्वन्यालोक, ल.श.शेखर, बृहज्जातकम्, न्यायसिद्धान्तमुक्तावलि, रसगंगाधर, अर्थसंग्रह, निरुक्तम्, दशरूपकम्, सिद्धान्तकौमुदी, वैदिक गणित, पुराण, शिक्षाशास्त्र, वेदवेदाङ्ग, संस्कृत सामान्य, दर्शन, वेदान्तसार, तर्कभाषा, कविसम्मेलन, प्राविधिक कार्यशाला, काव्यप्रकाश, ज्योतिष, व्याकरणम्, साहित्यम् आदि का व्याख्यान इस एप में संग्रहीत है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.shastrashikshanam**

22		**JyotiPunj ज्योतिपुञ्ज**- शब्द चयन आधी-अधूरी सूची को पूर्ण कर फिर से कोश को एक सीमा तक पहुँचाया और स्वतन्त्र रूप से पद्मजा प्रकाशन से इसे प्रकाशित करने का निर्णय लिया। जिस रूप में इसे प्रकाशित करना चाहता था वह नहीं हो पाया है। लेकिन यह कार्य तो अनवरत चलनेवाला है। इसलिए इसे छात्रों के लिए उपयोगी मानकर प्रकाशित कर रहा हूँ। विद्वानों के लिए तो ज्योतिषशास्त्र बृहत्कोश का कार्य अभी आरम्भ किया है। देवता, ऋषि, पितर, ब्राह्मणों और विद्वानों के आशीर्वाद से बृहत्कोश भी पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए मैं प्रयत्नशील हूँ। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.jyotipunj**
23		**Kavi-Kosh कविकोश**- यह कोश कवियों के लिये वरदान होगा । एक ही अर्थ के अनेकों लिंगों में अनेक शब्द जो काव्य रचना में अपेक्षित होता है वो सारे यहां मिल जाएंगे। कविजन अपने भावों को अपेक्षित शब्दों के माध्यम से प्रकट कर पाएंगे। बहुत ही उपयोगी एप है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.kavikosh**
24		**Kridantroopadarshika कृदन्तरूपदर्शिका**- कृदन्त के सारे रूप बने बनाए । सभी धातुओं के । क्त क्तवतु क्त्वा ल्यप् तुमुन् तव्यत् तृच् ण्वुल् घञ् (ण्)यत् अनीयर् आदि सभी प्रत्ययों में । बस मेरा कृदन्त रूपदर्शिका एण्ड्रॉड एप डॉनलोड करें तथा देखें । अत्र सर्वेषां धातुनामर्थः, क्त क्तवतु क्त्वा ल्यप् तुमुन् तव्यत् तृच् ण्वुल् घञ् (ण्)यत् अनीयर् प्रत्ययेषु रूपाणि च निर्दिश्यमानानि उपलभ्यन्ते । लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.kridantroopadarshika**
25		**Kridantsadhika | कृदन्तसाधिका**- इसमें कृदन्त के एसे सभी धातुओं के रूप सिद्धि प्रक्रिया को समाहित किया गया जिसमें विशेष सूत्र लगते हैं । इस एप में केवल रूप ही नहीं अपितु रूपसिद्धि प्रक्रिया को दिखाया गया है । लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.kridant**
26		**Pustak Sangdarshika पुस्तकसन्दर्शिका**- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान का पुस्तकालय भी अब मोबाइल पर उपलब्ध है। इस एप के जरिये आपको ऐसी कई पुस्तकें मिल जाएंगी जिसे आपने पढ़ा भी नहीं होगा। इसके अलावा, अनुसंधान निर्देशक तथा कक्षा में पाठ्येत्तर सामग्री, सहायक ग्रंथ की भी यहां सूचना मिल जाएगी। इसमें संस्कृत में सद्य: प्रकाशित ग्रथों की सूची भी है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.upss_library**
27		**Sanskrit Ashtadhyayi Sutrani संस्कृत अष्टाध्यायी सूत्राणि**- इस एप में समग्र रूप से अकारादि क्रम से या लिखकर या सूत्र देखकर स्क्रॉलिंग की सुविधा है। इसमें तीनों तरीकों से व्याकरण सूत्रों की प्रथमावृत्ति (पदच्छेद, समास, सूत्रार्थ, उदाहरण आदि) देख सकते हैं। साथ ही, लघु सिद्धांत कौमुदी, सिद्धांत कौमुदी, बालमनोरमा, प्रौढ़ मनोरमा, काशिकावृत्ति, न्यास, महाभाष्य आदि सभी प्रमुख टीकाएं, तत्वबोधिनी भी सुकरतया देख सकते हैं। व्याकरण अध्ययन और संदर्भ अन्वेषण की दृष्टि से यह भी अद्भुत एप है । लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.ashtadhyayivarnanukramanika**
28		**Sanskrit Pustakalaya- संस्कृत पुस्तकालय-** मेरी यह अति महत्वाकांक्षी परियोजना आपके ही के कारण आप तक पहुंच सकी। हमने अपेक्षाकृत सुपाठ्य, सभी पृष्ठों से युक्त, न्यून डाटा खपत वाले, इस प्रकार अनेक मानदंड को ध्यान में रखते हुए सर्वाधिक युक्तियुक्त लिंक का चयन किया है। किसी पुस्तक के अनेक संस्करण, अनुवाद, टीका उपलब्ध होने की स्थिति में उनमें से सर्वाधिक ख्याति लब्ध पुस्तकों का चयन किया गया। संस्कृत पुस्तकालय में शोध तथा सन्दर्भ सेवा प्रदान करने के अपने लंबे अनुभव का प्रभूत उपयोग यहां किया है। अतः यह ऐप हजारों में से एक है। यह ऐप पुस्तक खोजने में लगने वाले आपके समय और ऊर्जा को संरक्षित करेगा, एक सुयोग्य पथदर्शक की भूमिका का निर्वाह भी करेगा। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.sanskritbooks**
29		**Sanskrit-English Dictionary संस्कृत अंग्रेजी डिक्सनरी-** इस एप में अकारादिक्रम से संस्कृत पदों का अंग्रेजी अर्थ देखा जा सकता है। साथ ही, उस संस्कृत पद को अंग्रेजी में कैसे लिखा जाएगा और उसका लिंग आदि क्या है, यह भी जाना जा सकता है। इस एप की विशेषता यह है कि संस्कृत के शब्दों के अंग्रेजी अर्थ जानना बेहद सरल है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shruti.sanskritdictionary**

30		**Sanskrit-Hindi Dictionary संस्कृत हिन्दी डिक्सनरी**- इस एप में अकारादि क्रम से 10,000 संस्कृत शब्दों के हिन्दी में अर्थ दिए गए हैं। इतना कम शब्दों का संग्रह होते हुए भी इस एंड्रायड एप के 10 लाख से भी अधिक उपयोगकर्ता हैं। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.sanskrit_hindidictionary**
31		**School Locator विद्यालय प्रदर्शक ऐप**-संस्कृत के परंपरागत विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय का एक भौगोलिक डेटाबेस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्कूल लोकेटर एप का निर्माण किया गया है। इस ऐप में उन संस्थाओं में उपलब्ध आधारभूत संसाधनों की सूचना भी होगी, जिसके आधार पर लोग इच्छित विद्यालय को खोज सकेंगे। इस ऐप में विद्यालय का नाम, पता, जिले का नाम, राज्य, फोन नंबर तथा ईमेल ID उपलब्ध होगा। जिस विद्यालय या महाविद्यालय का अपना वेबसाइट होगा, उसका लिंक भी यहां उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें भोजन/ छात्रवृत्ति, आवास, पुस्तकालय, क्रीडांगन तथा ख्याति ये 5 सुविधा वाले फिल्टर लगाए जाएंगे। लिंक- **https://play.google.com/store/**
32		**Shabdakalpadruma शब्दकल्पद्रुम**- यह सात खंडों वाला पूर्णत: संस्कृत का एक भाषीय कोश है। इसमें यथासंभव समस्त उपलब्ध संस्कृत साहित्य के वाङ्य का उपयोग किया गया है। यह एक ऐसा महाकोश है जिसमें कई प्रकार के कोशों, शब्दार्थकोश, पर्यायकोश, ज्ञानकोश और विश्वकोश का सम्मिश्रण है। इसमें बहुविध उद्धरण, उदाहरण, प्रमाण, व्याख्या और विधाविधानों तथा पद्धतियों का परिचय दिया गया है। इसमें गृहीत शब्द पद हैं, सुवंततिङ्गन्त प्रातिपदिक या धातु नहीं हैं। इसलिए संभव नहीं कि इसका उपयोग विद्वान, अध्येता या शोधकर्ता सहज रूप से कर सकें। इसे देखते हुए शब्दकल्पद्रुम को एंड्रायड एप के रूप में लाया गया। लिंक-**https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.sanskrit_sanskrit**
33		**Siddhanta Kaumudi | सिद्धान्तकौमुदी**- इसमें सूत्रों को सूत्र संख्या के जरिये संपूर्ण व्याकरण सूत्रों की प्रथमावृत्ति (पदच्छेद, समास, सूत्रार्थ, उदाहरण आदि) को देखा जा सकता है। इसके अलावा, इसमें व्याख्या विकल्प भी है। यानी सुविधानुसार लघु सिद्धांत कौमुदी, सिद्धांत कौमुदी, बालमनोरमा, तत्वबोधिनी, प्रौढ़ मनोरमा, काशिकावृत्ति, न्यास, महाभाष्य आदि सभी प्रमुख टीकाएं, सुकरतया देख सकते हैं। व्याकरण अध्ययन और संदर्भ अन्वेषण की दृष्टि से भी यह अदभुत एप है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.siddhantakaumudi**
34		**Vachaspatyam वाचस्पत्यम्** – यह संस्कृत का आधुनिक महाशब्दकोश है। इसका संकलन तर्कवाचस्पति तारानाथ भट्टाचार्य (1812-1885) ने किया था। तारानाथ बंगाल के राजकीय संस्कृत महाविद्यालय में अध्यापक थे। इस महाशब्दकोश की रचना में उन्हें 18 साल लगे। तारानाथ ने सन् 1866 में इस पर काम शुरू किया जो 1884 में पूरा हुआ। शब्दकल्पद्रुम के मुकाबले यह संस्कृत कोश का बृहत्तर संस्करण है। रचनाविधान की पद्धति के विचार से 'वाचस्पत्यम्' को 'शब्दकल्पद्रुम' का विकसित रूप कहा जा सकता है। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.vachaspatyam**
35		**Veda Vibha वेद विभा**- 82 वर्षीय अयोध्या निवासी वेदभाष्यकार डॉ देवीसहाय पाण्डेय 'दीप' जी द्वारा चारों वेदों के सभी मन्त्रों की शीर्षक सहित अन्वयपरक शब्दार्थ, हिन्दी अनुवाद व पद्यानुवाद किया गया है। चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशनाधीन है। सभी वेद-मन्त्रों की सरलतम व्याख्या यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रस्तुत करने का विचार है। डॉ पाण्डेय जी की इच्छा है कि क्लिष्ट वेद-मन्त्रों को रामचरितमानस के चौपाइयों के समान सरल करके प्रस्तुत किया जाये। आशा है कि सभी सुधीजनों, वेदप्रेमियों व शोधार्थियों को लाभ मिले। लिंक- **https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.vedshastranam**

मेरे किसी भी एप को डॉउनलोड करने केलिए गूगल प्ले स्टोर पर खोजें– Srujan jha या
इस लिंक पर क्लिक करें- https://play.google.com/store/search?q=srujan%20jha&c=apps या
सम्पर्क करें- प्रो. मदनमोहन झा, mmjha44@gmail.com, M0,9004904059